

# केळीचे उत्पादन व काढणीप्र॑थमात तंजान



डॉ. विष्णु गरांडे

प्राध्यापक, उद्यानविद्या विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोल्हापूर

- केळी सर्वसामान्य लोकांचे फळ
- केळी उत्पादनाच्या बाबतीत भारताचा प्रथम क्रमांक व भारताचा वाटा २१%
- भारतात ६.४७ लाख हेक्टर क्षेत्र लागवडीखाली
- उत्पादन २३.२१ कोटी टन
- महाराष्ट्रात ८० हजार हेक्टर क्षेत्र
- उत्पादन ५ कोटी टन
- महाराष्ट्राचा दुसरा क्रमांक (२१.४०%) व प्रथम तामिळनाडू (२६.४०%)
- भारतात २८ जातींची लागवड उदा. बसराई, जी-९, नेन्द्रन, पुवन, लाल वेलची, सफेद वेलची इ.



# कैलीचे योषण मुल्य

१०० ग्रॅम खाण्यायोग्य भागामध्ये

|                  |             |            |              |
|------------------|-------------|------------|--------------|
| पाणी             | ७३.४०%      | मेद        | ०.३३ ग्र.    |
| कार्बोहायड्रेट्स | २५%         | नायसिन     | ०.६७ मि.ग्र. |
| प्रथिने          | १.१०%       | लोह        | ०.२६ मि.ग्र. |
| तंतूमय पदार्थ    | ०.४०%       | मॅग्नेशियम | २७ मि.ग्र.   |
| साखर             | १२.२३ ग्र.  | फॉस्फरस    | २२ मि.ग्र.   |
| खनिजे            | ०.७०%       | पोटशिअम    | ३८५ मि.ग्र.  |
| अ जीवनसत्त्व     | १९० I U     | झिंक       | ०.१५ मि.ग्र. |
| क जीवनसत्त्व     | १०० मि.ग्र. |            |              |



# उपयोग

- उदरनिर्वाह
- पान
- केक्फुले, बुंधा, कोवळे अंकुर
- झोड
- फट



उत्तमोला



## राज्य - अत्पादन आणि अत्पादकता

SKM

| राज्य       | क्षेत्र (००० हे.) | अत्पादन (००० टन) | अत्पादकता (टन/हे.) |
|-------------|-------------------|------------------|--------------------|
| आंध्रप्रदेश | ५३.५०             | १२२९.७०          | २३.०               |
| आसाम        | ४२.१०             | ५८१.००           | १३.८               |
| बिहार       | २८.००             | ९२०.००           | ३२.९               |
| गुजराथ      | ४६.३०             | १३७९.३०          | ४२.७               |
| कर्नाटक     | ५२.६१             | १२९२.४०          | २४.६               |
| केरळ        | ५५.७०             | ४२५.२०           | ७.६                |
| मध्यप्रदेश  | १६.५०             | ६६०.३०           | ४०.०               |
| महाराष्ट्र  | ७२.२०             | ४५३४.६०          | ६२.९               |
| तामिळनाडू   | ८१.५०             | ३४६१.८०          | ४२.५०              |
| प. बंगाल    | २६.६०             | ५१२.५०           | १९.२               |
| इतर राज्ये  | ५४.६०             | ६२८.५०           | ११.७               |
| एकूण        | ५२९.६०            | १६८२५.३०         | ३०.६               |

## यशस्वी केळी लागवडीची सुत्रे

- योरय वाणाची निवड
- ऊती संवर्धीत रोपांचा वापर
- कंद निवड व प्रक्रिया
- लागवडीचे योरय अंतर
- ठिबक सिंचनाचा वापर
- एकात्मिक अब्बाद्रव्य व्यवरस्थापन
- कर्टीगोशन
- घड व्यवरस्थापन
- एकात्मिक रोग व किड नियंत्रण
- काढणीपुर्व व काढणी पश्चात हाताळणी

# केळी - जाती

केळी - जाती

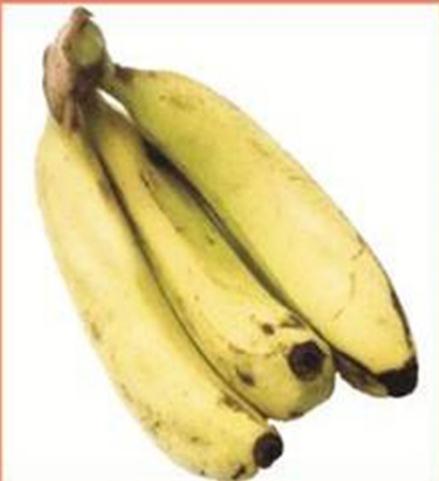
SKM

| राज्य       | जाती  |
|-------------|---|
| महाराष्ट्र  | गॅंडनैन, श्रीमंती, महालक्ष्मी, बसराई, सफेद वेलची,<br>डार्फकॅट्हेंडीश, शेंदुणी, अर्धपुरी, लाल वेलची, राजेली,<br>हरसाल, रसथाळी, नेंद्रन |
| तामिळनाडू   | नेंद्रन, रोबस्टा, रसथाळी, माती, नमाराई, सनांचैकडली,<br>पुवन, लालकेळी, नेपुवन, पंचानंदन, मोथ   |
| गुजराथ      | डार्फकॅट्हेंडीश, हरीसाल, लॅवटेन, गणटेकी सिलेकशन   |
| आंध्रप्रदेश | डार्फकॅट्हेंडीश, रोबस्टा, मॉन्थन, थेला चवकर केली,<br>बनायु बन्या, कर्पुर चक केळी, अमृतपाणी  |



| राज्य    | जाती  |
|----------|---|
| आसाम     | जहाजी, बाहेजहाजी, मनजहाजी, रोबस्टा, होंडा, चेनीचंपा, जताकाठ, सिल्क, मनोहर, भिमकेत, अतीकेत, भारतमोती |
| बिहार    | डार्फकॉट्हेंडीश, चिनीया, चेपीचंपा, अलपन, मालभोग, मुथिया, गौरीया, कथाली                              |
| कर्नाटक  | इलाकी बाले, डार्फकॉट्हेंडीश, रोबस्टा, पुवन, करीवाले, रसबाले, जवारीबाले                              |
| केरल     | नथानी पुवन, लालकेली, नेंद्रन, पुवन, मोन्थन, इलावझाई   |
| प. बंगाल | अमृतकर, लैंवटन, मार्थमन, चंपा, कथाली  |

## केळीच्या विविध जाती:



Robusta



Grand nine



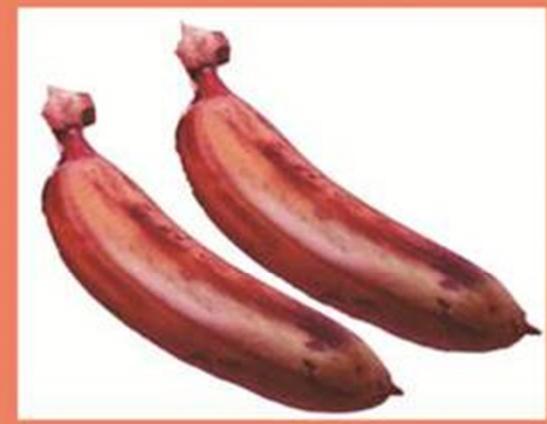
Yellakki



Hill Banana



Nendran



Red Banana

# Grand Naine



बैनानीन

- उंची - मध्यम (२.२ - २.७ मी)
- केंद्री
- घडाची रचना
- घड - २० ते ३० कि.
- कमी सहनशील -
  - जास्त तापमान
  - वारा
- सिगाटोका- कमी सहनशील

Grand Naine



- उंची - मध्यम
- सहनशील -  
जास्त तापमान  
वारा
- घड - २० ते ३० कि.
- सिगाटोका- मध्यम सहनशील

## उच्चा कटीबंधीय

## उच्चा आणि दमट

तापमान (डि. से.) - १७ ते ४०

■ फेलफुल - २२ ते २५

■ अङ्गद्रव्य उपलब्धता- १२

■ घड अटकणे - ५ ते ७

■ ३८ ते ४७ डि. से. - इन्झाइम व हामोन्स कार्यक्षमता,

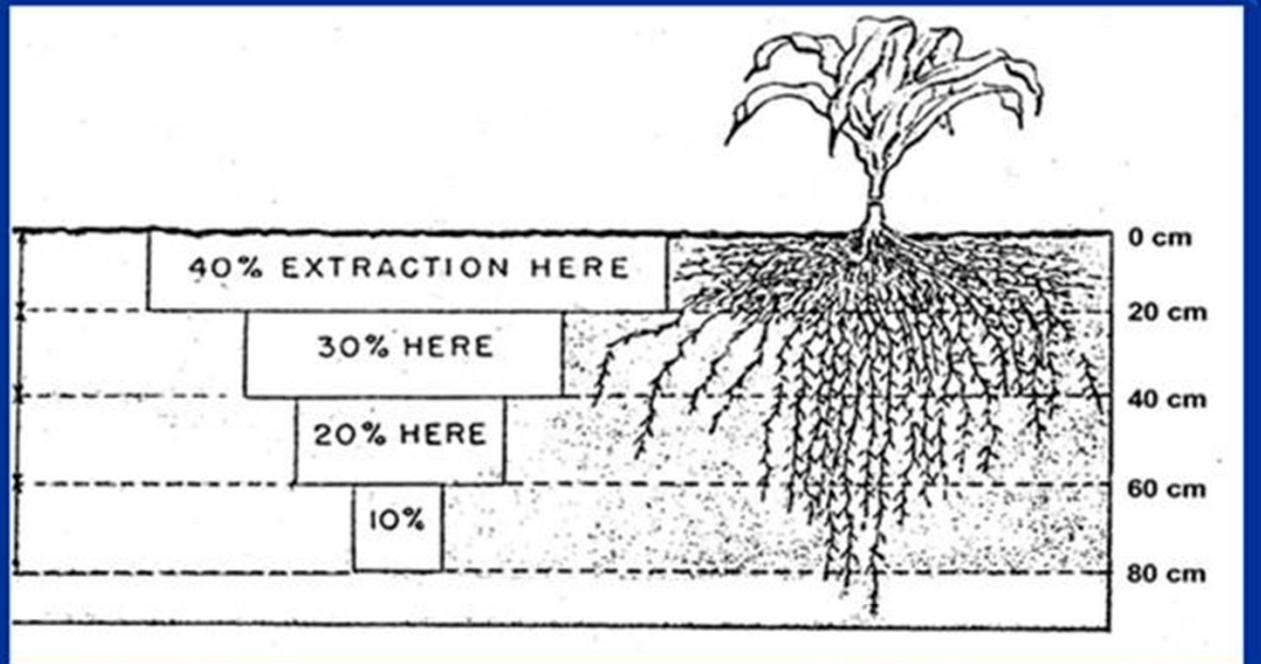
झाड कोलमडणे



# जमिन

SKM

- सेंद्रीय कर्ब
- सामू
- झोली



जमिन



## मूग बाग : जून

- कापूस - ज्वारी - केळी
- ज्वारी - कापूस - केळी
- ताग - कापूस - केळी

## कांदे बाग : ऑक्टोबर

- कापूस - चवली/उडीद/मुग - केळी
- ज्वारी - चवली/उडीद/मुग - केळी

# मातृबाग - कंट निवड

- जरीवंत
- भेसकरहीत
- वाढ
- उंची
- बुँधा
- घड निसवण
- व्यवस्थापन : उत्पादन
- निसवण - १२ ते १५ पाने
- किड, योग, सुत्रकृमी मुवत



प्राणिखाली - चर्चे लेखन

SKM

# मातृबाग - कंट निवड

- जरीवंत
- भेसकरहीत
- वाढ
- उंची
- बुँधा
- घड निसवण
- व्यवस्थापन : उत्पादन
- निसवण - १२ ते १५ पाने
- किड, योग, सुत्रकृमी मुवत



प्राणिखाली - चर्चे लेखन

SKM

# कंट / मुनवे निवड

SKM

- जातीवंत
- बुरशी, विबाणूजन्य रोगमुवत बाग
- कंट, झोड पोऱ्हरणारी आळी

## कंट

३ - ४ महिने

४५० - ७५० ग्रॅम

उभाट, नारळ आकार



- मोठे व वजनादर - घड लहान
- लहान - लवकर न फुटणे, उशीरा निसवणे
- गरजेपेढा १० ते २० %

कंट / मुनवे निवड

# बेणे प्रक्रीया

SKM

- मुळी तासणे
- करचे भाग ३ - ४ रिंगा
- आलवी साल - १ सें मी.
- डोळे तासणे
- तासलेले कंद - २ - ३ दिवस सावली
- १:१:१.५ पाणी + कार्बैडान्जीम + अॅसीफेट



कृत्रीम पोषण माध्यमामध्ये प्रयोगशाळेतील निर्जूक व निरांत्रीत वातावरणात, कात्र नलीकेत रोपांची अभिवृद्धीची शास्त्रशुद्ध पद्धत

- पान, झोड, मुळ, कोंब
- उत्तीसंर्वेधन - केळी - ३ पिके

मुळ्या पिक

झोडवा १

झोडवा २

उत्तीसंर्वेधन



## उत्ती संवर्धित रोपे - निकष

SKM

- जातीवंत
- आत्रीशीर
- कठीणता

प्रथम कठीणता

द्वितीय कठीणता

- पाने
- उंची
- निरोगी आणि जोमदार



निकष